मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

BSKG–178

कला स्नातक (सामान्य) संस्कृत

(बी. ए. एस. के. एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

बी.एस.के.जी.–178 : प्राचीन भारतीय राजनीति

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

(ii) अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर किसी एक भाषा में दीजिए।

(iii) भाषा का माध्यम एक ही होना चाहिए।

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दीजिए : $5 \times 10 = 50$

(i) प्राचीन राजनीतिशास्त्र के विविध नाम दण्डनीति, धर्मशास्त्र एवं नीतिशास्त्र पर प्रकाश डालिए।

(ii) राज्य के प्रकारों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

(iii) शुक्रनीति के आधार पर सप्ताङ्ग सिद्धान्त का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

(iv) अर्थशास्त्र एवं शुक्रनीति के आधार पर मन्त्री की योग्यता का वर्णन करते हुए मन्त्रिपरिषद् के कर्तव्यों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

(v) भारत में प्राचीन काल में प्रचलित प्रशासनिक व्यवस्था पर प्रकाश डालिए।

(vi) मण्डल सिद्धांत का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

(vii) अन्तर्राज्यीय सम्बन्ध के सिद्धांत: साम, दाम, दण्ड और भेद का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

$5 \times 8 = 40$

(i) प्राचीन भारतीय गणतन्त्र के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए बौद्ध साहित्य–महापरिनिब्बान सुत्त एवं अंगुत्तर निकाय पर प्रकाश डालिए।

(ii) राजा के गुणों का वर्णन करते हुए राजा की दैवी उत्पत्ति के सिद्धांत पर प्रकाश डालिए।

(iii) 'महाभारत' एवं 'मनुस्मृति' में वर्णित राजधर्म का वर्णन कीजिए।

(iv) रामायण एवं महाभारतकालीन 'पौर–जनपद' का वर्णन कीजिए।

(v) मौर्यकालीन एवं गुप्तोत्तरकालीन ग्रामीण व्यवस्था का वर्णन कीजिए।

(vi) धर्म के स्रोत पर प्रकाश डालिए।

(vii) दण्ड के महत्व का वर्णन करते हुए न्यायाधीशों के गुण–दोषों का वर्णन कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ कीजिए :

$2 \times 5 = 10$

(क) मत्स्य–न्याय

(ख) पंचायत

(ग) षड्गुण

(घ) कौटिल्य

× × × × ×